

प्रायदीपीय नदीं का प्रणाली (Peninsular River System)

स्थानिक परिस्थिति

- 1) भारत का प्रायदीपीय नदीं का प्रणाली
- 2) प्रमुख नदियाँ
 - गंगा की बाई - मध्यांशु, गंगा (गंगा), हुमाया, कावेरी
 - अरब सागर - नमदी, गोवरमनी, ताप्ती
 - चेन्नई फैसला - पेंचल, कृष्ण, वेल्ला
- 3) एक मौजमी नदियाँ हैं, जो प्रायदीपीय भारत की खेड़ी रखती हैं।

विशेषताएँ :-

- 1) प्रायदीपीय नदियाँ आवश्यक पर्याप्त और उपरी काढ़ार तभ का आप जरुरी हैं।

2) लंबाई (Slope)

- विद्युत्याचल के उत्तर में इंडिया से उत्तर-पश्चिम, शीत
- अंशा छाई में इन से पश्चिम - नमदी, ताप्ती
- शंखपुर के इंडिया में पश्चिम से इन - हुमाया, मध्यांशु, कावेरी।

5) ये नवियाँ डॉलर और एस्ट्रेलियन डॉलर की
निमांग जरूर है।

⇒ डॉलर → मध्यमदी, अमेरिकी, ब्रिटिश, फ्रांसीसी

⇒ एस्ट्रेलिया → नमदा, नपी

6) नमदा और नपी के अलावा अन्य नवियाँ
की ओर गोपनीयता में हैं।

आयडीपीय नवियों का विवरण

1) बंगाल की खाड़ी या पूर्व की ओर बहने वाली -

a) मध्यमदी

b) अमेरिकी

c) ब्रिटिश

d) फ्रांसीसी

e) चीनी

f) सुन्दरी

g) नमदा

h) नपी

i) राष्ट्रीय मरी

j) लूनी

k) माइट्री

l) फ्रूला

m) परियार

2) अरब सागर का पश्चिम की ओर बहने वाली

a) मार्सी

b) भरतपुरा

३) गोपी

- a) वृक्ष
- b) कुन
- c) वत्ता
- d) सौन
- e) बनाधन
- f) प्राप्ति

महानदी तट

- 1) उद्याम :- सिंहासन (रायपुर, कल्पितगढ़)
- 2) मुदाना :- ४५१ किमी दूर रायपुर से बनाई हुई
- 3) संदायक नदी :-
 - अंधेरी :- शिवनाथ, हसदेह, मिठा, फूरा
 - दृष्टि :- खोल, आंग, तम

५) परियालनारै : -

- नराम (उडीसा)
- टिक्कपारा (उडीसा)
- हीराकुंड (भारत का रामसी लोग कहिये, उडीसा)

६) विशेष

- रायपुर - रायपुर, कल्प, कुरी, शंखपुर

→ यहां पर्यावरणीय नदी है।

→ कैरिन - मायाहार कैरिन

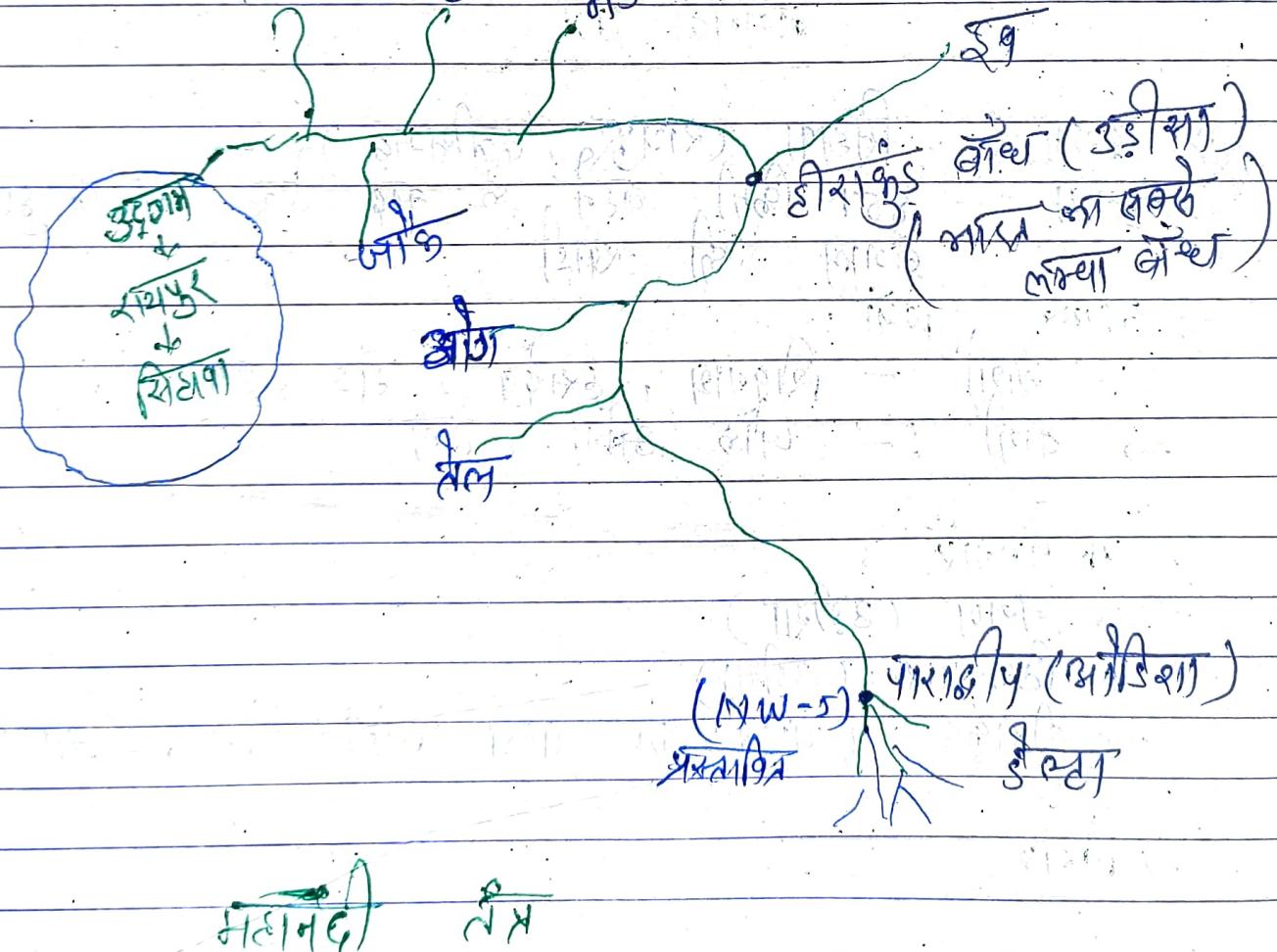
- द्वितीय ग्राम
- उड़ीसा
- झारखंड
- मध्यप्रदेश

ज्ञानकोश

उत्तर

मूल

दक्षि



महानदी

तीर

गोदावरी नदी

→ भारत की ~~सबसे लंबी नदी~~ विश्व की सबसे लंबी नदी है।

उद्गम :- - मध्यमहाराष्ट्र (पांचनामी घाट, नाशिक, महाराष्ट्र)

कुलाना :- - 1465 कि.मी. के दूरी की वात्र उद्गम क्षेत्र क्षेत्र का आया।

सहायक नदियाँ :-

~~मुख्य~~ नदियाँ :- - पश्चिम, प्राचीहित, उत्तरी, पश्चिम, अनंतगंगा, बुधना, ~~सिंधु~~ सिंधु।

दूसरी :- - मिथरा (प्रमुख)

अन्य तथ्य (Other Fact) :-

⇒ दूसरी मिथरा की उपनदी नदी, जिस नदी की दूसरी उपनदी नदी। इसकी उपनदी नदी नदी नदी है।

⇒ दूसरी - मध्यमहाराष्ट्र, नाशिक, गोदावरी, निमामाशाह, नश्वरेण

परिवारिकानाम :-

→ निमामाशाह - मिथरा, नदी (संलग्नाना)

→ धीराम नदी - निमामाशाह

→ वयुवानी - महाराष्ट्र

→ पांचनामी - गोदावरी

→ इस नदी की लकार महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, त्रिपुरा
 मध्यप्रदेश पर मध्य विभाग थी जिसे 1956 में
 दोस्री बार विभाग विभाग विभाग बनाया गया

आंध्रप्रदेश की लकार महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश,
 हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखण्ड

मध्यप्रदेश (वाराणी)

मध्यप्रदेश
मुमा

मुमा

मध्यप्रदेश

आंध्रप्रदेश
(त्रिपुरा)

मध्यप्रदेश

आंध्रप्रदेश (AP)

आंध्रप्रदेश
(त्रिपुरा)
मध्यप्रदेश
(उड़ियामुख)

मध्यप्रदेश

आंध्रप्रदेश (AP)

मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा

उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा

कृष्णा नदी Krishna River

- 1) उद्गम → सहारनपुरम् (मध्यराष्ट्र पश्चिम) धार
- 2) मुहाना → 1401 किमि वर्षाश्व द्वीप के बाए डेल्हा, कर्नाटक
सुखना वर्गम् द्वीप शोला (आन्ध्र-प्रदेश) निकट बिनीटोडा

सहायक नदियाँ :-

लयी → कैप्पा, शुद्धी, गीमा, तुम्ही
दूधी → घटेपुरी, गुणी, पंचगंगा, तुम्हारा

परिवारनाम →

- 1) कानोत्तरः :- अम्बारी
- 2) आन्ध्रप्रदेश :- श्रीकाञ्जी, नारायणपुर, लालगढ़, तुम्हारा

नदी विभाग :-

मध्यराष्ट्र

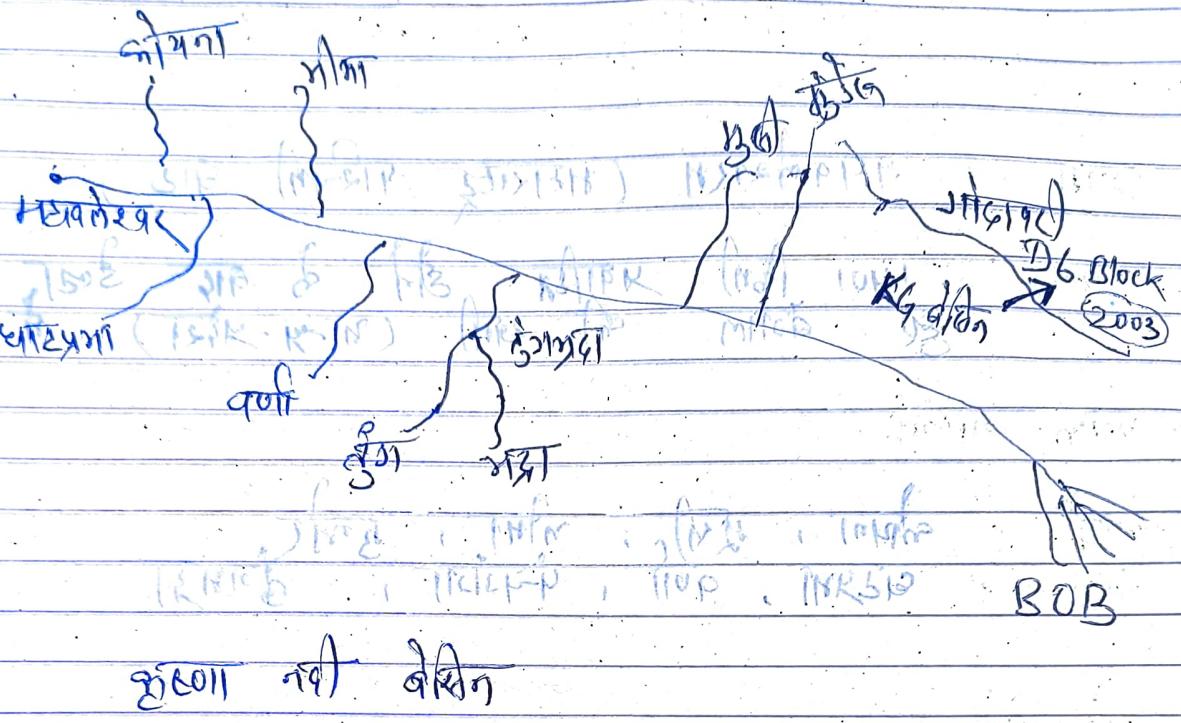
कर्नाटक

तमिळनाडू

आन्ध्रप्रदेश

1957 के 61वें विनायक पल रथ में

⇒ कृष्णा (१०६१८) वेलिंगटन के DG ओल्ड फ्रीमैन
ज्योति शंकर वडा डेवलपर रिपोर्ट रिपोर्ट शुभं ते २००५ में लाई



ಕರ್ನಾಟಕ ನದಿ

(Kaveri)

(Bharatiya
Om Prakash
Bhawan)

1) ತಡಗಳು :- ಕೂರ್ಮಾ ತ್ವಾ, ಬ್ರಹ್ಮಾತ್ಮಾ, ಪಹಾಡಿಯಾ
(ಪಾಶ್ಚಯಾ) ಧಾರ, ಗಣಾತ್ಮಾ

2) ಸುಧಾನಾ :- 800 ಮೀಟರ್ ಪ್ರಾಥಿತ ಹಳೆ ಕ್ಷಣಿ ಸಾಧಾರಣೆಯ ಪ್ರಾಥಿತ ಹಳೆ

3) ಸಂಘರ್ಷ ನಡ್ವೆ :-

→ ಬಾಯಿ → ಹೃಡಾ, ಶ್ರಮಣಿ, ರಾಜ್ಯಾ ಪ್ರಾಥಿತ

द१२८ :- लक्ष्मण नीरु, सुप्रिया, भावना, अमरा वा

नदी बीचे :-

→ गोपीनाथ

→ लक्ष्मणनाथ

→ पुष्पनाथ

→ कृष्ण

→ दानी की चूड़ा दल्लू, देवी, देवी दल्लू, दल्लू
दल्लू, दल्लू, दल्लू, दल्लू, दल्लू, दल्लू, दल्लू

→ प्रायदीपीय भारती दी लक्ष्मण भारती नदी

उमरी → दल्लू - दल्लू मालून उमरी, उमरी - उमरी
मालून नथा खलू रस्ता

प्रभाव उमरी दल्लू → दल्लू वारदा बातल
उमरी दल्लू फिर्या

परिवारनाम :-

→ शुद्धाराज, सागर, मधुर (गोपीनाथ) उमरी

→ मधुर बोध (लक्ष्मणनाथ)

नदी दीप

गोपीनाथ → दीपहुम दीपहुम दीपहुम

लक्ष्मणनाथ - दीपहुम

ज्ञानलक्षण विद्या, असार, जी १०४३८

श्री १९७५ मुहर
श्री १९७६ मुहर
मुहर

शहर :- तंबांर, मध्यर., श्रीरामपुरम्

→ थेटा लक्षणम्, कर्म लक्षणम्
पुक्करी गति के मध्य विश्वासी के प्रभव
प्राप्ति विश्वासी के लिए लक्षण

प्रा. श्रीरामपुरी नदीम् दिलो लक्षणम् विश्वासी
दिलो लक्षण

काकरी नदीम्! एवं दिलो लक्षणम् विश्वासी

लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण

Note

क्षिति लक्षण लक्षण

- इस लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण
- नदी - लक्षण
- अप्राप्ति लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण
- लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण लक्षण

गरिमाला के इन्हें नाल के द्वारा बनाया गया

था।

प्राचीन वर्गाल की उत्तराधि की ओर प्रवाहित होता है।
पाली द्वारा निरिया

सुर्विरेष।

(1) अद्वाम द्वारा वर्गाल की उत्तराधि की ओर प्रवाहित हुआ।

2) बलश्रीपाल :-

3) एकार्यद :-

4) मुहाल :- अल्पाल (पालियम वर्गाल) में वर्गाल

मुहाल :- (प्राचीन) वर्गाल

अद्वाम :- अद्वीता भास्त्र वर्गाल प्रवाहित हुआ।

मुहाल :- वर्गाल की ओर।

1) यह वर्गाल और वर्गाल की ओर प्रवाहित हुआ।
बनाया हुआ अद्वीता वर्गाल की उत्तराधि द्वारा वर्गाल

2) मुहाल :- वर्गाल की ओर।

ମୁଖ୍ୟ ପରିକାଳିକା ପରିବହନ ଏବଂ ଉତ୍ତରାଧିକାରୀ ପରିବହନ

promise to

2) କଳାଶ, ପାଇୟକୁଡ଼ି, କଲାମ ଓ ଚିତ୍ର

प्र० १८ न०

1) अहं कर्ता हूँ वे कर्ता हूँ जिनकी वाली विजय है, वही
2) जूनीटा हूँ वार्षिक विजय की वाली मिलनाहु, विजय है

3) અદ્યાત્મ નથીએ : - પણું, આ - ૧૨૧૮

मार्गी फैलो विनियोग संपर्क

1) ତୁମ୍ହାରୀ :- ପରିଚାଯ ପ୍ରାଣୀ (ଜୀବିମନ୍ଦୁ)

2) ବୁଦ୍ଧ ପାତା ଶୀତଳ କଣ୍ଠ ପିତା ମହିଳା ପିତା ଶୀତଳ

→ ~~मुरै~~ फै नदी के बिनार स्थित है।

नियोजन (Tammayazparni)

35014 :- ਅਭਿਆਸ (ਪੰਜਾਬ) ਮੁਲਾਕਾਤ (ਪੰਜਾਬ) ਦੇ
੨) ਸਾਰੀ ਵੱਡੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ

१०) गुणवत्ता, असरों
कुप्रभावी विकास के लिए, विभिन्न विकास विधियाँ
उपलब्ध हैं, जिनमें से एक विकास विधि उत्तर
के लिए बहुत उपयोगी है। इस विधि का नाम
उत्तर के लिए विकास विधि है।